

कुलाए कुचकन बास्थताए मुहगावेज.लि.
 रज. ५ छो. १. बत्रावली
 १५/५/१६. बिनाक. २२/५/१६
 न. ५५ के ५२

कुलाप प्रश्नकन वास्तव्य माहः २२/२/२०२२
२२/२/२०२२

पञ्चावली पेरा दुर्लभ। कहीक वही ४५ विष्णु नहीं।
कहीक वही व वही स्वयं को ज्ञात-ज्ञात आनाप
लगायी छिरी हाजिर नहीं। बाद वही अउमपेरी-
व अउक हाजरी में छाड़ीज किया जाय है। सत्रावली
नम्र से वक्त कीजकर बाय लक्ष्मीक लक्ष्मील
लाया हाजिर दफतर हो।

